PREP RHYMES - CYCLE 3 - HINDI

चुहिया

चुहिया रानी, चुहिया रानी,
लगती हो तुम बड़ी सयानी ।
जैसे हो इस घर की रानी,
तभी तो करती हो मनमानी ।
कुतर-कुतर सब कुछ खा जाती,
आहट सुन झटसे छुप जाती ।
जब भी बिल्ली मौसी आती,
दुम दबा बिल में घुस जाती ।

सड़क

सड़क बनी है लम्बी चौड़ी
उसमे जाती मोटर दौड़ी
सब बच्चे पटरी पर आओ
बीच सड़क पे कभी न जाओ
जाओगे तो दब जाओगे
चोट लगेगी पछताओगे

पेड़

अगर पेड़ भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते।
बाँध तने में उसके रस्सी
चाहे जहां कहीं ले जाते।

जहां कहीं भी धूप सताती
उसके नीचे झट सुस्ताते,
जहाँ कहीं वर्षा हो जाती
उसके नीचे हम छिप जाते।

लगती जब भी भूख अचानक
तोड़ मधुर फल उसके खाते,
आती कीचड़, बाढ़ कहीं तो
झट उसके ऊपर चढ़ जाते।

अगर पेड़ भी चलते होते
कितने मजे हमारे होते।

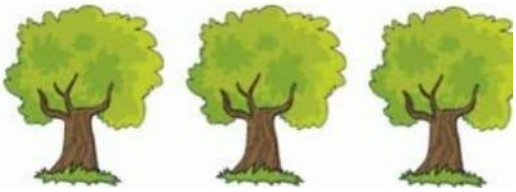

मेरे तुम्हारे सबके लिए हैप्पी दिवाली

उसने बनाई सबके लिए हैप्पी दिवाली

सारे सितारे उसके लिए हैप्पी दिवाली……

हम सभी के, हर किसी के, दिल में है वही
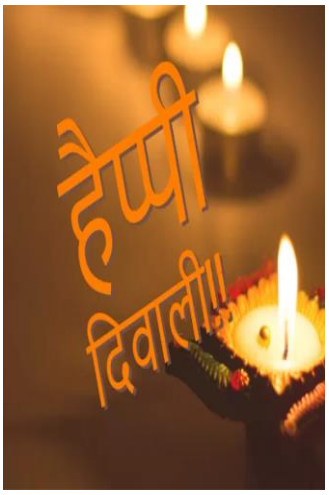
वो ज़मीं में, आसमा में, वो है हर कहीं……..